

Von der **Universitäts-Bibliotheken zu Leipzig** entlehnt auf vier Wochen:

Verfasser.	Titel.	Theil.	Signatur.	Bändezahl.
Ring	Die Gebräuche der Quersipps Ringe.	1	Hist. Ross. 153	1.

Leipzig, den

188.....

Name:

J. Rumbach

Stand:

Wohnung:

Reith. 14. / III

Πορεία Απ. Παις νη. αμ.
γολα έω τ' άρην πέρ.
Αιθουσα άρχ. Έτεαρ
2. Μαρτ. Έστ. 1911!

Απρ. 14. 8.

Απαντα 8. π. 2. 4. εστ.

Τι' έλο & παιδος;

Έταρ περιηγητής νιν
Δότες

Παιδος εν Δόξας 53-53½.

Τεχνίτης (Εκία) άνδρας -
τελόντας άχαίτης.

Αννης Τζαφ.
Ευδοκεί.

Αννης Τζαφ.
Πύπυ - Ευδοκεί.
Σειδής -

Πεδομαχος. μετρί 395 } Αννης Τζαφ.
Λεοφάνης.

Χεναρρεντος. 429 } Τενορ. Ν. 113
Μοετρί
in Ceter. Τενορ.

1626. Αννης. } 1. Ιαν. 1657.
1652. Αννης. }

καὶ ἄξιον δὲ' μὴδὲ' τὴν αἰτίαν, δι' ἣν ἡ πό-
 λς περισώδῃ, θεοπρεπῆ τέλει οὖσαν καί
 εἰς εὐδέναν τοῦ αἰονότα ἐπιμαχομένη,
 σιωπῇ διελθεῖν. Ἐπιὼν Ἀλαρίχος παντρα-
 τῆς τῇ πόλει, τὸ μὲν τείχος ἑώρα περινο-
ζούσαν τὴν πρόμαχον Ἀθηναῖν, ὥς ἔστιν
αὐτὴν ὁρᾶν ἐν τοῖς αἰσθήμασι, ὡς ἐκτεμένη
καὶ ὅσον τοῖς ἐπιούσιν ἐνίστασθαι μέλ-
λουσιν (τοῖς δὲ τείχεσι προεβέβη
τὸν Ἀχιλλεῖα τὸν ἥρω τοιοῦτον οἶον
 αὐτοῦ τοῦ Τρωσὶν ἐδείξεν Ὀμήρως, ὅτε
 κατ' ὄργην τῷ δαυαίτῳ τοῦ πατρὸς Ἰσ-
 κριμῶν ἐπὶ στήθεσιν. Ταύτης δ' Ἀλαρίχος
 τὴν ὄψιν οὐκ ἐνεμενέει, πόσῃ μὲν αὐτὴν
κατατῇ τῇ πόλει ἐλκερῆσθαι, ἔπειτα-

υπερκεύετο δὲ καὶ προδίδε-
ζαιμέναν τοῦ λόγου, ὅρουσι
λαβάναν καὶ δούταν, εἰδήσει σὺ ὀχι-
στοις Χαλκίχας εἰς τὰς Ἀθηνάς. τυχεῖ
δὲ θιδοφροσύνη ἀπάσης, λουδαίει
τα καὶ ποιωνήσας ἐστιαύσας τοῖς
ἐν τῇ πόλει λογαῖσι καὶ προδίδε
τε δῶρα λαβάναν ἀνέχου την ἐν
πόλιν ἄβραμ καὶ ἡν Ἀττινὰς
πάναν καταλιπών, (Ζυβ. εἰ 6)

Σα 395. μ. Χ.

1. Τὴν 16.57.

YI

«Τῷ ἔτει τούτῳ μέγας σεισμός ἐγένετο,
καὶ ἀπαιτῆς οἱ οἶκοι ἐβείβησαν, καὶ ἡ
ἐκκλησία τοῦ Ἁγίου Διονυσίου ἐξ δύο
ἐσχίσθη καὶ ὁ τοῦ Ἀρχιεπίσκοπου οἶκος καὶ
μέγα καὶ χίλια ἐκ τοῦ βράχου προέβη-
δεν, τὸ αὐτῶν ἐνερμήσθη. Τότε
δὲ ἐγένετο τὸ ἐσπῆρας τοῦ Ἁγίου Χαρί-
τωνος, πολλοὶ τε οἶκοι τῆς τοῦ Λαυρίου
Μοναστερίου κατεστρέμθησαν,
καὶ ὁ Βασιλεὺς Ἐκκλησία ἐρράγη (το
καθολικόν) καὶ τὴν τρίτην ἡμέραν ἐκ
τῆς Μετροπόλεως ἐφυμῆτο καὶ

πανν. βυθός ἐτελεύτησεν ^{δ/} ~~ο~~ ~~ε~~ ~~ς~~
σα ὀρφανὰ καὶ χρ[ίστου] (Αρχ.
ἔφ. 1853. σ. 944).

ὁ ομιλῶν ἐν ἡμετέροις τῇ 1
ἰουλίου 1657 (Αρχ. ἔφ. 1853. σ. 946).

Μετὰ 105 ἔτη, 4000

ὁ κατὰ σ.

Ε
Εἰς τὰς 26 γελιὸς τὸ ἔτος 1856, ἐπι-
σε κτράνην ἐνδόν τῆς μητροπόλεως
καὶ κατέκασε τὸν φοιτῆσαν, ἀδελ-
φόν τὸν κνρ Αθανασίου ἀρχιερέως,
καὶ τὸν ἀδελφόν τὸν Νικητάκη ἐν
ταύτῃ καὶ τοῖς δύο.

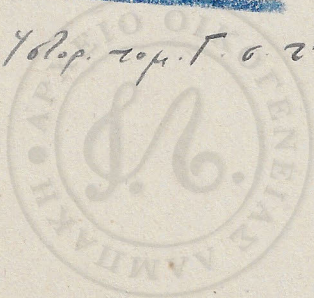
παρεβύετο = ἐρεδίστο.

σπέρματός = σπέρμα

«Τὸ γὰρ καὶ γένος ἐσμέν» - εἶναι
ἡμεῖς φαιόμενοι, ὡς καὶ τὸν Ἀδριανόν
Αἰμίον, τοῦ ἐν Κιχινία ποιητοῦ, ἀνέκα-
σαντος ὑμῖν χ' ἀπὸ Χριστοῦ ἐκαστοῦ ἐκ
ρίδα (Αἰμίον φαιόμενα 5. ἀπὸ
σοῦ γὰρ γένος ἐσμέν).

ὁ παῖς μάλιν εὐήρυσεν ἐν
Ἀθῆναις, δὲ καταρδωσέ καὶ ἰδρύσθαι
ἐκκλησίαν. ἔργον αὐτοῦ.

(δαν. γολ. τομ. Γ. σ. 225)



Henk. 6. 29.



Von der **Universitäts-Bibliothek**

Leipzig entlehnt auf vier Wochen:

Verfasser.	Titel.		Theil.	Signatur.	Bändezahl.
Binterim	Geschichtliche Darstellung der Verrichtung der Sacramente.				

Leipzig, den

188.....

Name: *G. Lamberz*

Stand:

Wohnung:

Journal.

Liturgisches. 8 voll.
Halle 1802-9.

Liturg. 8° 542 m.

Lembek's.

Гротега жму! уау
ооо! уау! та гау гаджита!



Assemani codex

Liturgicus eccles. uni-
versae. Roma 1744.

G. Lambek's.

to the jess. note
near. in by. & many.
16 24.

Daniels

XVII, 612

codex liturgicus
ecclesiae orientalis

Leipzig 1853.

Dr. Lamberkiz.

H

Sh'a Zarny. & in cy. par. nym
Ker. & Xero. parapprod, de
nec. & utpura to' iudicis
Yurlog. in spet. Ender & her.
in sp. c. in Zardh. 1865.

$$\begin{array}{r} 9 \\ 1.20 \\ \hline 10.80 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 1.20 \\ 9 \\ \hline 10.80 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 26.05 \\ 28 \\ \hline 104.05 \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 245.00 \\ 104.05 \\ \hline 140.95 \\ \hline 245.05 \end{array}$$

To Mrs Eard Wm

12/10/03

20/1/04



Neale (T.M.).

1871 < original manuscript.

G. Lambeky.

Bocquillot.

Traité historique de
la Liturgie sacrée ou de
la messe. Paris 1701.
in 4°. Geor. Lambekis.

King

Gebühren d. quinq.
Riwe

Dr. G. Leimbach.

Probst

Die Liturgie der drei
ersten christlichen Jahrhund.
Tübingen 1820.

G. Lamberti

to the great purpose. The
quintessence. Liturgien.

6. 29.

F. J. Mone.

1) Lateinische u. grie-
chische Messen. 1)

Lambekis.

11 Good. exp. rec Guast. 6.214.



Von der **Universitäts-Bibliothek** zu **Leipzig** entlehnt auf vier Wochen:

Verfasser.	Titel.		Theil.	Signatur.	Bändezahl.
Lüpf's	Liturgik oder wissen- schaftliche Darstellung d. kath. Cultus.				

Leipzig, den

188.....

Name:.....

Stand:.....

Wohnung:.....

G. Lumbach

Henk. 6. 28.
with 2 volumes.

Vol 4 + 47. 2 volumes pages



Von der **Universitäts-Bibliothek zu Leipzig** entlehnt auf vier Wochen:

Verfasser.	Titel.	Theil.	Signatur.	Bändezahl.
Woyt in Rheinwald.	Bibliotheca conci- onatoria Berlin 1833.			

Leipzig, den

188.....

Name: *G. Lamberitz*

Stand:

Wohnung:

14. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850.

Von der **Universitäts-Bibliothek zu Leipzig** entlehnt auf vier Wochen:

| Verfasser. | Titel. | Theil. | Signatur. | Bändezahl. |
|------------|---|--------|-----------|------------|
| Schneller | <u>Liturgia sacra</u>
oder, die Gebräuche u. Alter-
th. der kath. Kirche. | | | |

Leipzig, den

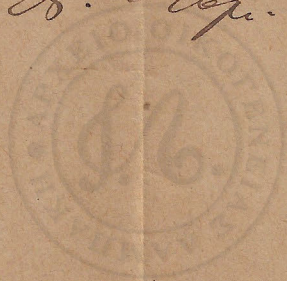
188.....

Name: G. Lambertz

Stand:

Wohnung:

Henk. v. 28. v. 4.



Von der **Universitäts-Bibliothek zu Leipzig** entlehnt auf vier Wochen:

| Verfasser. | Titel. | Theil. | Signatur. | Bändezahl. |
|-------------------------|--|--------|-----------|------------|
| J. Aloysius
Assemani | Codex liturgicus
ecclesiae universae.
Rom 1749-66. 26p. 8! | | | |

Name:

G. Hambach

Leipzig, den

188.....

Stand:

Wohnung:

zu ^{Entwurf von} Henke 6. 23. bevor ich mich
an die Zeichnung im Arrangirte begibt,

